स्व· दुष्यंत कुमार त्यागी

जन्म दि· :- 27 सितम्बर, 1931

मृत्यु दि· :- 30 दिसम्बर, 1975

Amarsinh D. Rane
Principal
Lal Bahadur Shastri College
Satara

डा. सरदार मुजावर
हिन्दी विभाग,
किसनवीर महाविद्यालय,
वाई, जिल्हा - सातारा.

प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री प्रा.अस्लम महंमद शेख ने मेरे निर्देशन में यह लघु-प्रबन्ध एम.फिल.(हिन्दी) उपाधि के लिए तैयार किया है। पूर्व योजना के अनुसार यह कार्य सम्पन्न हुआ है। उनकी यह मौलिक रचना है।

वाई।
तारीख : 3 : ९ : १९९३।

निर्देशक

आभार

मेरे शोध-निर्देशक डा.सरदार मुजावर जी का मैं हृदय से आभारी हूँ। दुष्यन्त के उपन्यासों को लेकर लघु-प्रबन्ध लिखने की प्रेरणा मुझे डा.मुजावर जी ने ही दे दी। उनके मनमोल सहयोग के कारण ही आज मैं अपना लघु प्रबन्ध ` दुष्यन्तकुमार के उपन्यास -- एक अनुशीलन ` पूरा कर पाया हूँ।

फलटण एज्युकेशन सोसायटी के सचिव श्री श्रीमंत शिवाजीराजे नाईक-निंबाळकर जी का भी मैं हृदय से आभारी हूँ। आपने भी मेरे इस शोध-कार्य में मदद की है। उसीतरह मुधोजी महाविद्यालय के प्राचार्य विश्वासराव देशमुख जी, हिन्दी विभाग प्रमुख प्रा.तेजबहादूर श्रीवास्तवजी और डा.राजेन्द्र शहा जी वरिष्ठों का भी मैं हृदय से आभारी हूँ। क्योंकि उन्होंने भी समय-समयपर मेरी सहायता की है। इस लघु-प्रबन्ध को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है।

स्थळ : फलटण, जि. सातारा

दिनांक : ३ : ९ : १९९३।

शोध-छात्र

भूमिका

हिन्दी में विभिन्न साहित्यकारों की रचनाओं का मुल्यांकन होता रहा हैं। प्रस्तुत लघु - प्रबन्ध भी इस दिशा में किया गया एक सफल प्रयास है। स्वर्गीय दुष्यन्तकुमार त्यागी आजादी के बाद के बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार थे। दुष्यन्तकुमार का नाम हिन्दी गजलकार के रूप में भी पहचाना जाता है, पर उपन्यासकार के रूप में उनका महत्व कम नहीं है। उन्होंने साहित्य की लगभग सभी विधाओं में लेखनी चलाई है।

प्रस्तुत लघु-प्रबन्ध के प्रथम अध्याय में मैंने दुष्यन्तजी का जीवन परिचय और उनकी कृतियों का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया है।

दूसरे अध्याय में मैंने उनके उपन्यासों का सामान्य परिचय दिया है।

तीसरे अध्याय में उनके उपन्यासों में चित्रित विभिन्न समस्याओं की विवेचना की है।

चौथे अध्याय में शिल्प-विधान की दृष्टि से उनके उपन्यासों की चर्चा की है।

पाँचवें अध्याय में मैंने महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत किये हैं।